विनेश फोगाट को ट्रायल्स में हिस्सा लेने की मंजूरी

Page-04

tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सी लिए

ट्रेलर लॉन्च में छलके डेविड धवन के आंसू

Page-05

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर पोस्ट करते हुए अपनी बात रखी है। अपने पोस्ट में पीएम ने कहा कि चीन में हुए इस खनन हादसे की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि भारत की जनता की ओर से वे चीन के लोगों के साथ खड़े हैं और जिन परिवारों ने अपने अपनों को खोया है, उन्हें इस कठिन समय में हिम्मत मिले

90 मजदूरों की मौत

चीन की कोयला खदान में भीषण विस्फोट

- **जिनपिंग ने यह भी कहा कि इस घटना से पूरे देश को सबक लेने की जरूरत है।**
- **पीएम ने कहा कि चीन में हुए इस खनन हादसे की खबर बेहद दुखद है।**

चीन के शांक्सी प्रांत में हुए भीषण खनन हादसे ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। इस दर्दनाक दुर्घटना में अब तक 90 मजदूरों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी गहरा दुख जताया है और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग समेत वहां की जनता के प्रति संवेदना व्यक्त की है।प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर पोस्ट करते हुए अपनी बात रखी है। अपने पोस्ट में पीएम ने कहा कि चीन में हुए इस खनन हादसे की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि भारत की जनता की ओर से वे चीन के लोगों के साथ खड़े हैं और जिन परिवारों ने अपने अपनों को खोया है, उन्हें इस कठिन समय में हिम्मत मिले। पीएम मोदी ने यह उम्मीद भी जताई कि जो मजदूर अब भी अंदर फंसे हैं, उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। दरअसल, हादसा उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत की लिउशेन्यु कोयला खदान में हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अचानक गैस विस्फोट होने से पूरी खदान दहल उठी। हादसे के वक्त अंदर कुल 247 मजदूर काम कर रहे थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, खदान के भीतर कार्बन मोनोऑक्साइड का स्तर काफी बढ़ गया था, जिसके कारण जोरदार धमाका हुआ।चीनी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब तक 201 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, लेकिन कई लोगों की मौत हो चुकी है और कुछ अब भी मलबे में फंसे हुए हैं। राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। मौके पर बड़ी संख्या में बचाव दल तैनात किए गए हैं और आधुनिक मशीनों की मदद से अंदर फंसे लोगों को निकालने की कोशिश की जा रही है। हादसे के बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी एक्टिव मोड में हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बचाव अभियान में कोई कमी न रहे और घायलों का बेहतर इलाज सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने हादसे के कारणों की गहराई से जांच करने और जिम्मेदार लोगों पर कानून के मुताबिक कार्रवाई करने की बात कही है।

शांतनु सिन्हा पर ED का एक्शन

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल पुलिस के पूर्व डिप्टी कमिश्नर शांतनु सिन्हा बिस्वास के मुर्शिदाबाद जिले के कांदी स्थित आवास को कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ईडी के एक अंदरूनी सूत्र ने शनिवार को यह जानकारी दी। शांतनु सिन्हा बिस्वास को पहले ही ईडी ने आपराधिक सिंडिकेट से जुड़े एक बड़े मामले में गिरफ्तार किया हुआ है। शुक्रवार को ईडी की टीम ने कांदी स्थित उनके पैतृक आवास के ताले तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वहां लंबे समय तक छापेमारी की। ईडी अधिकारियों ने इस दौरान करीब दो किलोग्राम सोना बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 3 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा 10 लाख रुपये नकद, मोबाइल फोन और कई महत्वपूर्ण प्रॉपर्टी दस्तावेज भी जब्त किए गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, शांतनु का कांदी स्थित मुख्य आवास कुछ साल पहले तक काफी जर्जर हालत में था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसे अचानक ही भव्य और महलनुमा बना दिया गया, जिसे देखकर स्थानीय लोगों में काफी चर्चा है। शांतनु सिन्हा बिस्वास कांदी नगर पालिका के वार्ड नंबर 8 के रहने वाले हैं।

अमेरिका की दो टूक: परमाणु हथियार किसी कीमत पर नहीं

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की ओर कदम आगे बढ़े हैं। भारत दौरे के दौरान मार्को रुबियो ने बड़ा दावा किया है। मिडिल ईस्ट में महीनों से जारी तनाव के बीच एक राहत भरी खबर सामने आई है। भारत की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने संकेत दिया है कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है। नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में एक विशेष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वाशिंगटन इस जटिल मुद्दे का कूटनीति के जरिये शांतिपूर्ण समाधान चाहता है। विदेश मंत्री ने अमेरिकी प्रशासन का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि पर्दे के पीछे बहुत सा कूटनीतिक काम चल रहा है। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्राथमिकताओं को सामने रखते हुए कहा कि अमेरिका इस विवाद का कूटनीतिक हल ही चाहता है। हालांकि, इसके लिए वाशिंगटन ने कुछ सख्त शर्तें भी रखी हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने ट्विशा शर्मा केस पर स्वतः संज्ञान लिया

ट्विशा की मौत के बाद से उसका पति समर्थ फरार चल रहा था। वह शुक्रवार (22 मई) को जबलपुर हाईकोर्ट में सरेंडर करने पहुंचा था। इस दौरान पूरे समय वकीलों ने उसे घेरकर रखा था। मीडियो को भी समर्थ की कवरेज करने से रोक दिया गया था और धक्का-मुक्की की खबरें आई थीं। ट्विशा का पक्ष रखने वाले वकीलों ने भी आरोप लगाए कि उनके साथ बदसलूकी की गई। वहीं, ट्विशा के जीजा ने आरोप लगाया कि पूरा सिस्टम समर्थ सिंह के समर्थन में दिख रहा है। उन्होंने कहा कि सुबह से ही समर्थ सिंह जबलपुर में है लेकिन ना पुलिस को दिख रहा था और ना ही उसपर SIT की नजर पड़ी। कोर्ट से हमें बाहर निकाल दिया गया है। समर्थ सिंह को किससे जान का खतरा है। उसके खिलाफ तो लुक आउट नोटिस जारी है। उसपर 30 हजार का ईनाम भी घोषित किया गया है फिर भी समर्थ को पकड़ा नहीं जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने ट्विशा शर्मा केस पर स्वतः संज्ञान लिया है। इस मामले को सुनवाई के लिए सोमवार की तारीख दी गई है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुआई में तीन जज की बेंच इस मामले में सुनवाई करेगी। चीफ जस्टिस के अलावा जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल मनुभाई पंचोली भी इस बेंच का हिस्सा हैं। सुप्रीम कोर्ट में 23 मई (शनिवार) को शाम 6.23 बजे यह मामला दर्ज किया गया। इसमें ट्विशा की उसके ससुराल में हुई अप्राकृतिक मौत में कथित संस्थागत भेदभाव और प्रक्रिया में गड़बड़ी का मामला दर्ज किया गया है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में सोमवार को इसी मामले पर सुनवाई होनी है। हालांकि, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ट्विशा की सास और पूर्व जज राजबाला सिंह की अग्रिम जमानत के मामले में सुनवाई करेगा, जिसके खिलाफ मध्य प्रदेश सरकार ने याचिका लगाई है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट में इस केस से जुड़े संस्थागत भेदभाव और न्याय प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोपों पर सुनवाई करेगा। अनुराग श्रीवास्तव ने आगे कहा, "उसने सनग्लासेस पहने हुए थे और खुद को कपड़े से ढक रखा था, इसलिए कल उसके चेहरे के एक्सप्रेशन नहीं दिख रहे थे। लेकिन उसकी तरफ से हर कोशिश भागने की थी। हमें पहले बताया गया कि वह डिस्ट्रिक्ट जज के कोर्ट में गया था और जज ने कथित तौर पर उसे भोपाल में सरेंडर करने के लिए कहा था। मुझे बिल्कुल भी कन्फर्मेशन नहीं है कि ऐसा सच में हुआ था।

33,660 करोड़ की 'भव्य' योजना हुई लॉन्च

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को 'भव्य' (भारत औद्योगिक विकास योजना) के दिशा-निर्देश लॉन्च की। इस योजना के तहत सरकार देशभर में 100 इंडस्ट्रियल पार्क विकसित करने की तैयारी कर रही है। इस योजना के लिए 33,660 करोड़ रुपये का वित्तीय परिव्यय यानी फाइनेंशियल आउटले तय किया गया है। यह योजना राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में लागू की जाएगी, जिसके तहत प्लग-एंड-प्ले इंडस्ट्रियल पार्क विकसित कर देशभर में मैन्युफैक्चरिंग और निवेश हब तैयार किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, इस योजना के तहत इंडस्ट्रियल पार्कों का विकास चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। शुरुआती दो महीनों में 20 इंडस्ट्रियल पार्कों के लिए आवेदन मांगे जाएंगे। इसके बाद अगले दो महीनों में 30 और पार्कों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे, जबकि शेष 50 पार्कों को अगले चरण में शामिल किया जाएगा।

थिरुमावलवन ने कहा कि यह कदमस्वतंत्र रूप से लिया गया

विदुथलाई चिरुथाइगल काची (वीसीके) के नेता थोल. थिरुमावलवन ने टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन देने के अपनी पार्टी के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह कदम व्यापक आंतरिक विचार-विमर्श के बाद स्वतंत्र रूप से लिया गया था। इस फैसले पर हो रही आलोचनाओं का जवाब देते हुए थिरुमावलवन ने कहा कि चुनावी फैसले राजनीतिक परिस्थितियों के आधार पर लिए जाते हैं और याद दिलाया कि वीसीके पहले डीएमके और वामपंथी दलों के साथ गठबंधन में रह चुकी है। उन्होंने कहा कि मैंने चुनाव से पहले पार्टी को मजबूत करने के लिए काम किया है। मुझ पर पार्टी को कमजोर करने का आरोप लगाने के कई दुर्भावनापूर्ण प्रयास किए गए हैं। मैंने ऐसा एक बार भी नहीं किया है और अपने कार्यों से इसे साबित भी किया है। थिरुमावलवन ने कहा कि उन्होंने पहले तो यही कहा था कि वीसीके सिर्फ सरकार गठन का समर्थन करेगी और मंत्रिमंडल में शामिल नहीं होगी। हालांकि, उन्होंने बताया कि टीवीके द्वारा निमंत्रण दिए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन पर अपना रुख बदलने का दबाव डाला। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल का हिस्सा बनने का फैसला हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं का था। मेरे पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुझे व्हाट्सएप पर संदेश भेजकर मुझसे इस फैसले पर पुनर्विचार करने और टीवीके के मंत्रिमंडल में शामिल होने के निमंत्रण को स्वीकार करने का अनुरोध किया। वीसीके प्रमुख ने बताया कि पार्टी ने फैसला लेने से पहले दो घंटे से अधिक समय तक आंतरिक चर्चा की। उन्होंने आगे कहा कि बैठक के निष्कर्ष औपचारिक घोषणा से पहले डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन को बता दिए गए थे।

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1
प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़
ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2-3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

दिल्ली में मोदी-रुबियो मुलाकात, कई अहम मुद्दों पर मंथन

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भारत दौरा भारत-अमेरिका संबंधों को नई मजबूती देने वाला माना जा रहा है। मोदी-रुबियो मुलाकात में व्यापार, रक्षा, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और क्वाड साझेदारी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा केंद्र में रही।

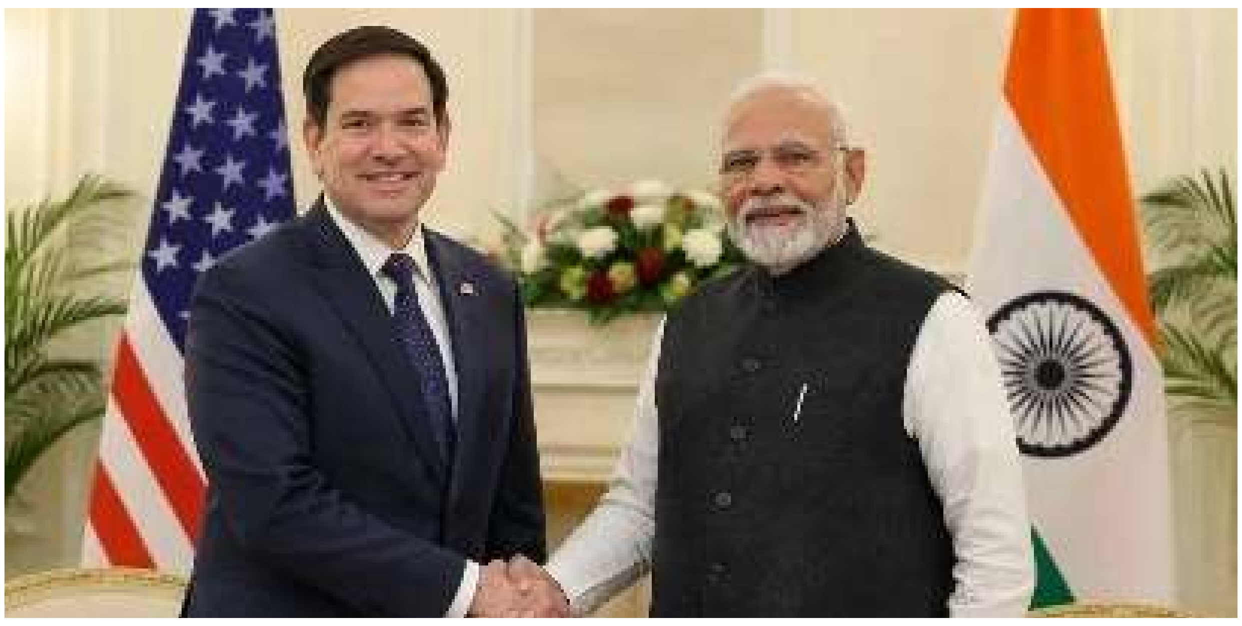

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो शनिवार 23 मई 2026 को अपने चार दिवसीय भारत दौरे की शुरुआत करते हुए वाया कोलकाता दिल्ली पहुंचे। करीब 14 वर्षों बाद किसी अमेरिकी विदेश मंत्री का कोलकाता दौरा हुआ। जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। दोनों नेताओं की यह बैठक दिल्ली स्थित सेवा तीर्थ में हुई। आपको बता दें कि करीब 14 वर्षों बाद किसी अमेरिकी विदेश मंत्री का कोलकाता दौरा हो रहा है। यह दौरा भारत-अमेरिका संबंधों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसमें व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा और क्वाड देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होने वाली है। नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच गहराते सामरिक रिश्तों के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भारत दौरा कूटनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को एक नए स्तर पर ले जाने का काम करेगी। गौरतलब है कि मुख्य कार्यक्रमों से पहले रुबियो ने कोलकाता का रुख किया था, जो इस दौरे के व्यापक दायरे को दर्शाता है। यह यात्रा इसलिए भी खास है क्योंकि इस समय क्षेत्रीय सुरक्षा से लेकर वैश्विक भू-राजनीति के तमाम अहम मुद्दों पर भारत और अमेरिका की सोच और आपसी कदम पहले से कहीं ज्यादा एक सुर में नजर आ रहे हैं। अपने कोलकाता दौरे के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' जाकर मदर टेरेसा को याद किया। इस अनुभव को उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा करते हुए इसे अपने लिए गर्व की बात बताया। रुबियो ने एक्स पर लिखा मदर टेरेसा ने सेवा और करुणा की एक महान विरासत बनाई है। आज उनके इस काम को श्रद्धांजलि देने और कैथोलिक आस्था को जमीन पर काम करते देखने के लिए मिशनरीज ऑफ चैरिटी जाना मेरे लिए सम्मान की बात रही।

घुसपैठ पर अमित शाह का सख्त संदेश BSF को दिए कड़े निर्देश

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्वी सीमा से होने वाली घुसपैठ को देश की सुरक्षा और जनसांख्यिक संतुलन के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए सीमा सुरक्षा बल को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि अवैध घुसपैठ को पूरी तरह रोका जाए और जो लोग पहले से अवैध रूप से देश में प्रवेश कर चुके हैं, उनकी पहचान कर उन्हें बाहर किया जाए। नई दिल्ली में आयोजित रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान में बोलते हुए अमित शाह ने सीमा सुरक्षा बल से कहा कि वह केवल सीमा की निगरानी तक सीमित न रहे, बल्कि स्थानीय प्रशासन, पुलिस और ग्रामीण तंत्र के साथ समन्वय बनाकर घुसपैठियों और उनके मार्गों की पहचान करे। गृह मंत्री ने कहा कि पूर्वी सीमा के पार से सुनियोजित तरीके से घुसपैठ कर देश की प्राकृतिक जनसांख्यिक संरचना को बदलने की कोशिश की जा रही है। इसे रोकने के लिए एक संगठित और स्थायी व्यवस्था विकसित की जाएगी। उन्होंने सीमा सुरक्षा बल को निर्देश दिया कि गांवों के पटवारी, जिला अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, खंड विकास अधिकारी और स्थानीय पुलिस के साथ लगातार संपर्क बनाए रखें ताकि नए घुसपैठियों, उनके प्रवेश मार्गों और तस्करी से जुडे गिरोहों की जानकारी समय रहते प्राप्त हो सके। सरकार का उद्देश्य इन सभी मार्गों को व्यवस्थित रूप से बंद करना है।

राजौरी में सुरक्षा बलों का बड़ा ऑपरेशन, आतंकियों की तलाश जारी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

जम्मू-कश्मीर के राजौरी के दोरिमाल जंगलों में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ छिड़ गई। कम से कम 2-3 आतंकवादियों के फंसे होने की आशंका है और बाकी आतंकवादियों की तलाश के लिए तलाशी अभियान जारी है। आतंकवादियों की गतिविधि की सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों ने जंगल में तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी की और मुठभेड़ शुरू हो गई। इस साल फरवरी में भारतीय सेना के व्हाइट नाइट कोर ने किश्तवार से आतंकी नेटवर्क के खात्मे की घोषणा की थी। भारतीय सेना ने सात आतंकवादियों की तस्वीरें पोस्ट की थीं। पोस्ट में लिखा था, "326 दिनों के बाद किश्तवार में आतंकी नेटवर्क का खात्मा कर दिया गया है। पोस्ट में बताया गया था कि मारे गए आतंकवादियों में जैश कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल था, जो किश्तवार आतंकी हमले का मास्टरमाइंड था। व्हाइट नाइट कोर ने यह भी कहा था कि उनके अलावा जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और सेना खुफिया एजेंसी भी किश्तवार में शामिल थीं। पिछले सप्ताह, इस्लामाबाद को दिए गए एक कड़े सैन्य संदेश में भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि यदि पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ़ गतिविधियाँ जारी रखना जारी रखता है, तो उसे यह तय करना होगा कि वह भूगोल या इतिहास का हिस्सा बनना चाहता है या नहीं। मानेकशॉ सेंटर में 'यूनिफॉर्म अनवेल्ड' द्वारा आयोजित एक संवाद सत्र में, उनसे पूछा गया कि यदि पिछले वर्ष ऑपरेशन सिंदूर जैसी परिस्थितियाँ फिर से उत्पन्न होती हैं, तो भारतीय सेना क्या प्रतिक्रिया देगी। सेना प्रमुख ने कहा, यदि आपने मुझे पहले सुना है, तो मैंने जो कहा है... वह यह है कि यदि पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ़ गतिविधियाँ जारी रखना जारी रखता है, तो उसे यह तय करना होगा कि वह भूगोल या इतिहास का हिस्सा बनना चाहता है या नहीं।

चीन की कोयला खदान में बड़ा हादसा, 90 मजदूरों की मौत

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

उत्तरी चीन के शानक्सी प्रांत में एक कोयला खदान में हुए गैस विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 90 हो गई है। सरकारी मीडिया शिन्हुआ ने दिन में पहले बताया था कि यह गैस विस्फोट शुक्रवार देर रात किंयुआन काउंटी की लियुशेन्यु कोयला खदान में हुआ, जहां 247 मजदूर काम कर रहे थे। शिन्हुआ के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अधिकारियों से घायलों के इलाज और खोज एवं बचाव अभियान में कोई कसर न छोड़ने का आह्वान किया और दुर्घटना के कारणों की गहन जांच और कानून के अनुसार दोषियों को कड़ी सजा देने का आदेश दिया। प्रधानमंत्री ली कियांग ने भी निर्देशों का समर्थन करते हुए समय पर और सटीक जानकारी जारी करने और कड़ी जवाबदेही तय करने का आह्वान किया। किनयुआन के स्थानीय आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, बचाव अभियान जारी था और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही थी। चीन ने 2000 के दशक की शुरुआत से ही कड़े नियमों और सुरक्षित प्रक्रियाओं के माध्यम से

कोयला खदान दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को काफी हद तक कम कर दिया है - ये दुर्घटनाएं अक्सर गैस विस्फोट या बाढ़ के कारण होती थीं। हालांकि, लियुशेन्यु घटना पिछले एक दशक में चीन में दर्ज की गई सबसे घातक घटनाओं में से एक थी। शिन्हुआ ने बताया कि खदान के लिए जिम्मेदार कंपनी के अधिकारियों को हिरासत में ले लिया गया है। इससे पहले शिन्हुआ ने केवल आठ लोगों की मौत की खबर दी थी, जबकि 200 से अधिक लोगों को सुरक्षित रूप से सतह पर लाया गया था। उसने मृतकों की संख्या में अचानक हुई वृद्धि का कारण नहीं बताया।

ट्रंप परिवार पर मंडराया खतरा, इवांका को निशाना बनाने की साजिश!

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

यूएस मीडिया न्यूयॉर्क पोस्ट के हवाले से बड़ी खबर मिल रही है। इवांका ट्रंप की हत्या की साजिश रची गई थी। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक राष्ट्रपति ट्रंप की बेटी है इवांका ट्रंप जिनकी हत्या की साजिश रची गई थी। यह बड़ा दावा फिलहाल किया गया है। यूएस मीडिया न्यूयॉर्क पोस्ट के हवाले से यह बड़ी खबर मिल रही है। इसके बारे में और आगे यह लिखा गया है कि इराकी नागरिक पर यह आरोप लगाया गया है। आतंकी नेटवर्क से जुड़ा हुआ यह आरोपी है। संदिग्ध को तुर्की से गिरफ्तार करके अमेरिका लाया गया है और इस युवक पर यह आरोप लगा है कि इवांका ट्रंप की हत्या की साजिश रची जा रही थी। गिरफ्तार किए गए शख्स को वाशिंगटन लाया जाएगा। इसके अमेरिका में इसकी और पूछताछ की जाएगी। इसे इंटेरोगेट किया जाएगा और ये बहुत ही संगीन मामला है क्योंकि अगर देखा जाए तो अगर ट्रंप के परिवार की बात करें या डोनाल्ड ट्रंप की बात करें जिस तरीके से पिछले दिनों से लगातार वेस्ट कॉन्फ्लिक्ट चल रहा है उसके बाद से पूरे परिवार पर ऑलरेडी ही खतरा मंडरा रहा है। बहुत सारी कोशिशें की गई है और यही वजह है कि इनकी सिक्योरिटी को बढ़ा दिया गया है। जब से ये वेस्ट एशिया कॉन्ट्रैक्ट चल रहा है। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, संदिग्ध की पहचान 32 साल के मोहम्मद बाकर साद दाऊद अल-सादी के रूप में हुई है। उसने कथित तौर पर 2020 के उस अमेरिकी ड्रोन हमले का बदला लेने की कोशिश की, जिसका आदेश राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में दिया था। इस हमले में ईरानी सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी मारे गए थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अल-सादी के पास इवांका ट्रंप के फ्लोरिडा वाले घर का ब्लूप्रिंट था और उसने कथित तौर पर ऑनलाइन धमकियां पोस्ट की थीं, जिनमें अमेरिकियों को चेतावनी दी गई थी, न तो तुम्हारे महल और न ही सीक्रेट सर्विस तुम्हारी रक्षा कर पाएगी। इराक के पूर्व राजनयिक एंटिफाध कानबर ने अखबार को बताया कि अल-सादी बार-बार इवांका ट्रंप की हत्या करने की बात करता था, ताकि ट्रंप का घर भी उसी तरह जला दिया जाए, जिस तरह उसने हमारा घर जलाया था।

संपादक की कलम से

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सबसे मजबूत आधार उसकी शिक्षा व्यवस्था मानी जाती है। शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को संस्कारित, जागरूक और विवेकशील बनाने की प्रक्रिया है। किंतु दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि आज भारत में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ज्ञान और चरित्र निर्माण का माध्यम मानी जाने वाली शिक्षा अब बड़े स्तर पर व्यवसाय में बदलती जा रही है। शिक्षा का बढ़ता बाजारीकरण न केवल इसकी गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है, बल्कि सामाजिक असमानता और अवसरों की विषमता को भी बढ़ा रहा है।आज देश में निजी शिक्षण संस्थानों की संख्या तेजी से बढ़ी है। आधुनिक भवन, आकर्षक विज्ञापन, विदेशी पाठ्यक्रम और सुविधाओं के नाम पर शिक्षा को एक उत्पाद की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है। स्कूलों और विश्वविद्यालयों के बीच प्रतिस्पर्धा अब गुणवत्ता सुधार से अधिक लाभ कमाने की मानसिकता तक सीमित होती दिख रही है। भारी फीस, महंगी कोचिंग और शिक्षा के नाम पर बढ़ते आर्थिक बोझ ने मध्यम और गरीब वर्ग के परिवारों के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। शिक्षा, जो समान अवसर का माध्यम होनी चाहिए थी, धीरे-धीरे आर्थिक सामर्थ्य पर निर्भर होती जा रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि बाजारीकरण की इस दौड़ में शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। कई संस्थानों में शिक्षकों की नियुक्ति योग्यता के बजाय कम लागत और प्रबंधन हितों के आधार पर की जा रही है। शोध, नैतिक शिक्षा, तार्किक सोच और व्यक्तित्व विकास जैसे महत्वपूर्ण पहलू पीछे छूटते जा रहे हैं। विद्यार्थियों को केवल परीक्षा और नौकरी तक सीमित कर दिया गया है। परिणामस्वरूप, डिग्रीधारी युवाओं की संख्या तो बढ़ रही है, लेकिन कौशल, नवाचार और व्यावहारिक ज्ञान का अभाव भी उतनी ही तेजी से सामने आ रहा है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में युवा शिक्षित होने के बावजूद रोजगार की चुनौती से जूझ रहे हैं।कोचिंग संस्कृति ने भी इस संकट को और गहरा किया है। स्कूलों और कॉलेजों में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई के अभाव में विद्यार्थी महंगी कोचिंग संस्थाओं पर निर्भर हो गए हैं। शिक्षा अब प्रतिस्पर्धा और अंकों की मशीन बनती जा रही है, जहां रचनात्मकता और सामाजिक चेतना के लिए बहुत कम स्थान बचा है।यह स्थिति केवल सरकार या निजी संस्थानों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज को भी इस पर गंभीर चिंतन करना होगा। सरकार को शिक्षा के व्यवसायीकरण पर प्रभावी नियंत्रण, सरकारी संस्थानों की गुणवत्ता सुधार और समान शिक्षा अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। साथ ही, शिक्षकों की गुणवत्ता, शोध और नैतिक शिक्षा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

सम्राट चौधरी बोले—
बिहार क्रिकेट को नई पहचान दिलाएंगे

बिहार को अपनी आईपीएल टीम मिलने की उम्मीद बढ़ी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उद्योगपति अनिल अग्रवाल ने इस दिशा में सकारात्मक संकेत दिए हैं। सरकार का मानना है कि बेहतर बुनियादी ढांचे से बिहार क्रिकेट को नई पहचान मिल सकती है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

बिहार को अपनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम मिलने की संभावना तब और बढ़ गई जब मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वेदांता समूह के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल की राज्य के लिए एक समर्पित क्रिकेट टीम की अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार बिहार में क्रिकेट को मजबूत करने के लिए पूरी लगन से काम कर रही है। इस चर्चा में भारतीय क्रिकेट में बिहार के बढ़ते योगदान पर प्रकाश डाला गया, विशेष रूप से आईपीएल सितारों की नई पीढ़ी और राज्य के घरेलू खिलाड़ियों के माध्यम से। बिहार में क्रिकेट टीम बनाने की अग्रवाल की भावुक अपील के जवाब में, चौधरी ने X पर लिखा कि सरकार भी यही सोच रखती है और सामूहिक सहयोग से एक सकारात्मक निर्णय लेने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूँ। बिहार के क्रिकेट प्रेम को देखते हुए सरकार एक स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ पूरी लगन से काम कर रही है। आपके सहयोग से बिहार क्रिकेट टीम के संबंध में निश्चित रूप से एक सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। अग्रवाल ने जवाब में इस पहल को अपना पूरा समर्थन और सहयोग दिया और बिहार की खेल प्रतिभाओं की सफलता की कामना की। सम्राट चौधरी के ट्वीट के बाद बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने भी इस मांग का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कल सुबह अनिल अग्रवाल ने एक ट्वीट के माध्यम से देश और बिहार के लोगों के सामने अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी इस पहल का स्वागत किया है... हमारा बुनियादी ढांचा अब पूरी तरह से तैयार है और हम इंडियन प्रीमियर लीग हो या कोई अन्य बड़ा क्रिकेट टूर्नामेंट, किसी भी प्रकार की प्रमुख क्रिकेट प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने में सक्षम हैं। अगर अनिल अग्रवाल जैसे एक प्रमुख उद्योगपति बिहार के लिए एक आईपीएल टीम बनाने के बारे में सोचते हैं, जिसके बैनर तले बिहार के क्रिकेट खिलाड़ी खेल सकें, तो मेरा मानना है कि यह न केवल मेरा बल्कि बिहार के हर व्यक्ति का सपना सच हो रहा है। इससे पहले, अग्रवाल ने सवाल उठाया था कि कई नामी क्रिकेटरों को जन्म देने के बावजूद बिहार को क्रिकेट के क्षेत्र में वह पहचान और मान्यता क्यों नहीं मिली है जो चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी आईपीएल फ्रेंचाइजी वाले राज्यों को प्राप्त है। उन्होंने ट्वीट किया कि क्या आपको नहीं लगता कि बिहार भी चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स की तरह अपनी एक बेजोड़ टीम का हकदार है? उन्होंने पटना में जन्मे और सबसे तेज वनडे दोहरा शतक बनाने वाले ईशान किशन के साथ-साथ उभरते हुए खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी और साकिब हुसैन का भी जिक्र किया।

अजय राय के खिलाफ केस दर्ज, कांग्रेस ने उठाए सवाल

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे एआई-जनरेटेड वीडियो के परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोपों को खारिज कर दिया। यह विवाद महोबा जिले में राय के खिलाफ बीएनएस अधिनियम की कई धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर के बाद सामने आया है। अधिकारियों ने 22 मई को वायरल हुए एक वीडियो के बाद कार्रवाई की, जिसमें राय को एक सभा का नेतृत्व करते हुए दिखाया गया था, जिसने कथित तौर पर सरकारी कामकाज में बाधा डाली और एक सार्वजनिक सड़क को अवरुद्ध कर दिया। सहायक पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने कहा कि 22 मई को सोशल मीडिया के माध्यम से हमें एक वीडियो मिला, जिसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अपने समर्थकों के साथ गैरकानूनी रूप से इकट्ठा होकर सरकारी कामकाज में बाधा डाल रहे हैं और उन्होंने एक सार्वजनिक सड़क भी अवरुद्ध कर दी है। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां भी कीं। महोबा स्थित कोतवाली पुलिस स्टेशन में शिकायत प्राप्त हुई और कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। कार्रवाई की जा रही है। कांग्रेस नेताओं द्वारा अपनाई गई राजनीतिक बयानबाजी की आलोचना करने वाले अधिवक्ता नीरज रावत की औपचारिक शिकायत के बाद एफआईआर दर्ज की गई। इसमें कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान सचिव बृजराज अहिरवार सहित 25 से 30 समर्थकों के नाम शामिल हैं। आरोपों का जवाब देते हुए राय ने कहा कि महोबा की उस दलित लड़की को न्याय मिलना चाहिए। मेरे खिलाफ 10 नहीं, 100 मामले दर्ज कीजिए। हम पीछे नहीं हटेंगे। यह वीडियो कृत्रिम रूप से बनाया गया था। हमारे कार्यकर्ता भी मामला दर्ज करवाएंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महोबा में एक दलित लड़की के साथ बलात्कार हुआ और न्याय की मांग की।

राघव चड्ढा को बड़ी जिम्मेदारी, याचिका समिति के अध्यक्ष बने

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को उच्च सदन की याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्यसभा अध्यक्ष सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा समिति के पुनर्गठन के बाद यह नियुक्ति 20 मई 2026 से प्रभावी मानी गई है। राज्यसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, समिति में कुल 10 सदस्यों को शामिल किया गया है, जिनमें हर्ष महाजन, गुलाम अली, शंभू शरण पटेल, मयंककुमार नायक, मस्थान राव यादव बीधा, जेबी माथेर हिशाम, सुभाशीष खुंटिया, रंगवरा नारज़ारी और संतोष कुमार पी शामिल हैं। राजनीतिक गलियारों में राघव चड्ढा की इस नियुक्ति को भाजपा में शामिल होने के बाद मिली एक अहम जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा है। याचिका समिति संसद की एक महत्वपूर्ण समिति मानी जाती है, जो नागरिकों द्वारा प्रस्तुत याचिकाओं पर विचार कर सरकार और संसद के समक्ष सुझाव प्रस्तुत करती है। ऐसे में राघव चड्ढा को इसकी कमान मिलना उनके राजनीतिक कद और संसदीय भूमिका को नई दिशा देने वाला कदम माना जा रहा है। इसी बीच, राघव चड्ढा एक अन्य मामले को लेकर भी चर्चा में हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में उनके द्वारा दायर मानहानि संबंधी याचिका पर सुनवाई करते हुए राजनीतिक आलोचना और मानहानि के बीच की महीन रेखा का उल्लेख किया। अदालत ने उनसे यह सवाल भी किया कि क्या सोशल मीडिया पर उनके राजनीतिक फैसलों की आलोचना को लेकर वह अधिक संवेदनशील रुख अपना रहे हैं।दरअसल, भाजपा में शामिल होने के बाद सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ कई पोस्ट सामने आई थीं, जिन्हें राघव चड्ढा ने दुर्भावनापूर्ण और मनगढ़ंत बताते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। उनका कहना है कि इन पोस्टों से उनकी प्रतिष्ठा और व्यक्तित्व अधिकारों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। ऐसे में राघव चड्ढा एक ओर नई संसदीय जिम्मेदारी संभालते नजर आ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर राजनीतिक आलोचना और कानूनी विवादों के बीच भी सुर्खियों में बने हुए हैं।

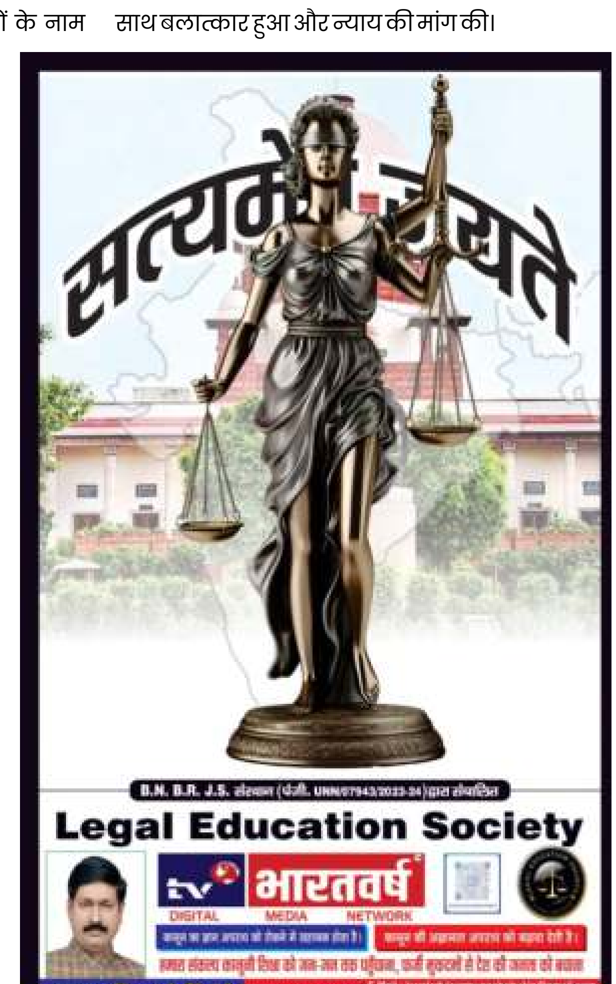

पार्ले ने बढ़ाई मेलोडी टॉफी की रफ्तार

बढ़ती लोकप्रियता पर पार्ले ने बढ़ाया प्रोडक्शन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी टॉफी का एक पैकेट गिफ्ट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो के सामने आने के बाद देश-विदेश में मेलोडी की डिमांड बढ़ गई है, जिसके कारण पार्ले प्रोडक्ट्स ने इसका प्रोडक्शन बढ़ा दिया है। कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट मयांक शाह ने गुरुवार (21 मई) को इस बात की जानकारी दी। पार्ले प्रोडक्ट्स के वाइस प्रेसिडेंट मयांक शाह ने पीटीआई (PTI) से बातचीत में इस पल को ब्रांड के इतिहास का सबसे बड़ा कैंपेन बताया। उन्होंने कहा कि कंपनी अब पीएम मोदी के इस स्वदेशी ब्रांड के समर्थन को आगे बढ़ाएगी। पार्ले अब दुनिया भर में मेलोडी की उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए काम करेगी। मेलोडी दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में बिकती है। मयांक शाह से जब ग्राहकों और डिस्ट्रीब्यूटर्स के रिएक्शन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि डिस्ट्रीब्यूटर्स से शुरुआती फीडबैक मिला है कि बाजार में अचानक डिमांड बहुत बढ़ गई है। क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स जैसे चैनलों पर सेल्स में तुरंत और भारी उछाल देखा गया है। कल सुबह से ही क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर मेलोडी शब्द की सर्च काफी बढ़ गई है। कंपनी ने डिमांड को पूरा करने के लिए अपनी तैयारी शुरु कर दी है। मयांक शाह ने बताया कि कल से ही मेलोडी का प्रोडक्शन बढ़ा दिया गया है। भारत के साथ-साथ अब विदेशों से भी इसकी मांग काफी ज्यादा आ रही है। पीएम मोदी के मेलोनी को मेलोडी का पैकेट गिफ्ट किए जाने पर शाह ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व नेताओं को पार्ले मेलोडी गिफ्ट कर रहे हैं, तो यह पार्ले में हम सभी के लिए बेहद गर्व का पल है। मयांक शाह ने पीएम मोदी के इस कदम को वैश्विक मंच पर स्वदेशी ब्रांड्स की क्षमता का एक शक्तिशाली प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि पार्ले मेलोडी भारत का सबसे ज्यादा बिकने वाला टॉफी ब्रांड है। पीएम ने अपना काम कर दिया है, अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस ब्रांड को वैश्विक स्तर पर ले जाएं और इसे वास्तव में बहुत बड़ा बनाएं। भारतीय ब्रांड्स को यह पहचान देने के लिए PM के प्रति हम आभार व्यक्त करते हैं। पार्ले प्रोडक्ट्स इस घटनाक्रम का फायदा उठाने और मेलोडी ब्रैंड को आगे प्रमोट करने का प्लान बना रहा है। शाह ने बताया कि कंपनी ने कल से ही डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर इसका प्रमोशन शुरु कर दिया है। इसे मल्टीपल मीडिया और अन्य मीडिया के जरिए भी प्रमोट किया जाएगा। उन्होंने इसे माननीय प्रधानमंत्री के स्वदेशी ब्रैंड को दिया गया एक शानदार अवसर बताया।

शानदार प्रदर्शन करते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया

राष्ट्रीय वरिष्ठ एथलेटिक्स महासंघ प्रतियोगिता के दौरान अनिमेष कुजूर ने 10.15 सेकंड में दौड़ पूरी की। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल 2026 के लिए तय क्वालीफिकेशन मानक 10.16 सेकंड को भी पार कर लिया। बता दें कि यह मानक भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा निर्धारित किया गया था। दिलचस्प बात यह रही कि अनिमेष से कुछ ही मिनट पहले पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने 10.17 सेकंड का समय निकालते हुए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने अनिमेष का 10 महीने पुराना 10.18 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ा था। हालांकि उनका यह रिकॉर्ड ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सका और अगले ही हीट में अनिमेष ने शानदार दौड़ लगाकर फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। गौरतलब है कि भारतीय एथलेटिक्स में अब अनिमेष कुजूर और गुरिंदरवीर सिंह की प्रतिद्वंद्विता काफी चर्चा में आ गई है। दोनों धावक लगातार एक-दूसरे को चुनौती देते हुए नए स्तर तक पहुंच रहे हैं। ऐसे में अब शनिवार 23 मई को होने वाले पुरुष 100 मीटर फाइनल मुकाबले को लेकर खेल प्रेमियों में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार दोनों खिलाड़ी शनिवार शाम 7 बजकर 10 मिनट पर होने वाले फाइनल में फिर आमने-सामने होंगे। माना जा रहा है कि इस मुकाबले में एक बार फिर नया रिकॉर्ड देखने को मिल सकता है। प्रतियोगिता में महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। अंसी सोजन ने 6.75 मीटर की छलांग लगाकर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। हालांकि वह राष्ट्रमंडल खेल क्वालीफिकेशन मानक 6.84 मीटर से थोड़ा पीछे रह गईं। बता दें कि अंसी अब राष्ट्रीय रिकॉर्ड 6.83 मीटर के भी करीब पहुंच चुकी है।

कोनोर कैरोल ने टी20 इंटरनेशनल में बनाया अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड

बुमराह हल्की चोट से जूझ रहे

इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन का आगाज होने से पहले सभी को मुंबई इंडियंस की टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन मैदान इसके बिल्कुल ही देखने को मिला जिसमें वह प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली शुरुआती टीमों का हिस्सा रही। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में खेल रही मुंबई इंडियंस के स्क्वाड में एक से एक धाकड़ खिलाड़ी मौजूद थे लेकिन उनका प्रदर्शन मैदान पर काफी खराब देखने को मिला जिसमें एक नाम तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का भी शामिल है। लीग स्टेज में 13 मैचों में खेलते हुए बुमराह सिर्फ 4 विकेट ही हासिल करने में कामयाब हो सके जिसमें अब टीम के आखिरी लीग मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस के हेड कोच महेला जयवर्धने ने बुमराह के इस खराब प्रदर्शन के पीछे की वजह को लेकर बड़ा खुलासा किया है। मुंबई इंडियंस को आईपीएल 2026 सीजन में लीग स्टेज का अपना आखिरी मुकाबला राजस्थान रॉयल्स की टीम के खिलाफ 24 मई को अपने होम ग्राउंड पर खेलना है। इस मैच से एक दिन पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुंबई इंडियंस टीम के हेड कोच महेला जयवर्धने ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जसप्रीत बुमराह को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में बताया कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान बुमराह हल्की चोट से जूझ रहे थे और उन्होंने उसी दर्द के साथ पूरा टूर्नामेंट खेला था। ऐसे में जब वह आईपीएल 2026 में खेलने के लिए आए तो हमने उन्हें रिकवरी का पूरा समय दिया जिसमें शुरुआती कुछ मैचों में हम उन पर अधिक दबाव नहीं डालना चाहते थे। इसी के चलते अगर शुरुआती मुकाबले में बुमराह की गेंदों की गति को देखा जाए तो वह भी थोड़ा कम थी। महेला जयवर्धने ने जसप्रीत बुमराह की फिटनेस को लेकर आगे कहा कि वह अब पिछले 4 से 5 मैचों में पूरी तरह फिट होकर खेल रहे हैं, लेकिन जब आप पूरी तरह से फिट होकर मैदान पर वापसी करते हैं तो उसके बाद शुरुआती कुछ मुकाबलों में आपको अपने पुराने फॉर्म को वापस पाने में थोड़ा समय लगता है और ऐसा ही कुछ हमें बुमराह के साथ भी देखने को मिला।

'सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन' वैभव सूर्यवंशी

पहले सीजन की चैम्पियन राजस्थान रॉयल्स (RR) के 15 वर्षीय युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में धूम मचा रहे हैं। अपनी आक्रामक और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से वे एक के बाद एक रिकॉर्ड तोड़ते जा रहे हैं और पूरे टूर्नामेंट में कोहराम बरपा रखा है। इस सीजन वैभव सबसे ऊंचे स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज के रूप में उभरे हैं। पिछले सीजन में उनकी तूफानी बल्लेबाजी के लिए उन्हें 'सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन' का पुरस्कार मिल चुका है, उन्हें टाटा कर्व कार इनाम में दी गई थी। ऐसा माना जा रहा है कि इस बार भी यह पुरस्कार उनके नाम होने वाला है। इस अवॉर्ड की दौड़ में वही खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्होंने कम से कम 7 मैच खेले हों और न्यूनतम 100 गेंदों का सामना किया हो। जिनका स्ट्राइक रेट सबसे बेहतर होगा, वही इस खिताब का हकदार बनेगा। आईपीएल 2026 में अब तक वैभव सूर्यवंशी ने 13 मैचों में 44.53 की औसत से 579 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 245 गेंदों का सामना करते हुए शानदार 236.32 का स्ट्राइक रेट बनाया है। उन्होंने इस सीजन एक शतक और तीन अर्धशतक जड़े हैं, साथ ही अपने बल्ले से 53 छक्के और 50 चौके भी लगाए हैं। स्ट्राइक रेट के मामले में वैभव फिन एलन (219.33), प्रियांश आर्य (212.86), अभिषेक शर्मा (206.22) और उर्विल पटेल (201.56) जैसे दिग्गज बल्लेबाजों से काफ़ी आगे हैं।

विनेश फोगाट को ट्रायल्स में हिस्सा लेने की मंजूरी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मशहूर पहलवान विनेश फोगाट को एशियाई खेल के लिए होने वाले आगामी ट्रायल्स में हिस्सा लेने की मंजूरी दे दी है। अदालत ने कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआइ) की चयन नीति भेदभावपूर्ण है क्योंकि इसमें मातृत्व अवकाश के बाद वापसी करने वाली विनेश जैसी प्रतिष्ठित खिलाड़ी के नाम पर विचार करने का कोई अधिकार नहीं है। मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने आदेश दिया कि 30-31 मई को होने वाले चयन ट्रायल्स की डब्ल्यूएफआई द्वारा वीडियोग्राफी की जाएगी और इसमें भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से एक-एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक भी मौजूद रहेगा। अदालत ने 22 मई को पारित और शनिवार को अपनी वेबसाइट पर अपलोड किए गएआदेश में कहा, "अपीलकर्ता को एशियाई खेल 2026 के चयन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की अनुमति दी जाती है जो 30.05.2026 और 31.05.2026 को होने वाले हैं। " अदालत ने कहा, "यह नीति और सर्कुलर साफ तौर पर भेदभावपूर्ण हैं क्योंकि यह प्रतिवादी नंबर एक (डब्ल्यूएफआइ) को अपीलकर्ता जैसी दिग्गज खिलाड़ियों के नाम पर विचार करने का कोई अधिकार नहीं देती है विशेषकर तब जब उसने मातृत्व अवकाश के कारण खेल से कुछ समय के लिए दूरी बनाई हो। " अदालत ने कहा कि कारण बताओ नोटिस में दिए गए आधार 'पहले से सोचे-समझे और बंद हो चुके मुद्दों को फिर से उठाने वाले लगते हैं' इसलिए 'खेल और न्याय के हित में यह जरूरी है कि अपीलकर्ता को चयन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की अनुमति दी जाए।'अदालत फोगाट की उस अपील पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने 18 मई को एकल न्यायाधीश की पीठ के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें डब्ल्यूएफआई द्वारा 'अयोग्य' घोषित किए जाने के बावजूद इस वर्ष के एशियाई खेलों के लिए 30-31 मई को होने वाले चयन ट्रायल्स में उनकी भागीदारी के मुद्दे पर उन्हें तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया गया था।

एसी सर्विस से मना करने वाले शख्स ने जीता दिल

300 रुपये के लिए जान क्यों दांव पर लगाऊं?

सोशल मीडिया पर एक एसी टेक्नीशियन का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक खतरनाक जगह पर लगे एसी की सर्विस करने से साफ मना कर देता है. यह मामला खारघर की एक ऊंची बिल्डिंग का बताया जा रहा है, जहां 23वीं मंजिल पर एसी का आउटडोर यूनिट बालकनी से काफी दूर बाहर की तरफ लगाया गया है. वीडियो में टेक्नीशियन लोगों को समझाता है कि वह इस काम को क्यों नहीं कर सकता. वह दिखाता है कि एसी यूनिट इतनी खतरनाक जगह पर लगी है कि वहां तक पहुंचना आसान नहीं है. अगर कोई व्यक्ति वहां सर्विस करने जाता है, तो गिरने का खतरा बहुत ज्यादा है. टेक्नीशियन कहता है

कि सिर्फ 300-400 रुपये के लिए कोई अपनी जान खतरे में क्यों डालेगा. वह आगे कहता है कि अगर काम करते समय कोई हादसा हो जाता है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उसके मुताबिक, इस तरह के काम में कोई भी सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं, जैसे कि सेफ्टी बेल्ट, मजबूत प्लेटफॉर्म या अन्य जरूरी उपकरण. ऐसे में वहां काम करना बहुत ही खतरनाक है.

मेकिंग का वीडियो देख उड़ जाएंगे होश

आखिर कैसे बनती है 1 रुपये वाली चुस्की?

जैसे ही गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू किया, सोशल मीडिया पर भी उसी के हिसाब से वीडियो शेयर होने लगे हैं. कहीं मिट्टी पर पापड़ सेंकने वाली महिला के वीडियो आ रहे हैं तो कहीं कोल्ड ड्रिंक से जुड़े वीडियो शेयर हो रहे हैं. इसी बीच, सोशल प्लेटफॉर्म पर 1 रुपए वाली चुस्की के वीडियो भी शेयर हो रहे हैं, जिनमें दिखाया जा रहा है कि आखिर इसे कैसे बनाया जाता है. इन वीडियो पर कई लोग कमेंट कर रहे हैं कि इन वीडियो ने बचपन की याद दिला दी जबकि कुछ लोग इस चुस्की को बनाए जाने के तरीके पर बात कर रहे हैं. वीडियो में दिख रहा है कि इन्हें बहुत ही गंदे तरीके से बनाया जा रहा है. तो आज इन वीडियो के जरिए देखते हैं कि आखिर 1 रुपये वाली चुस्की कैसे बनती है. वायरल हो रहे वीडियो

सोशल मीडिया पर चुस्की पैकेट्स के वीडियो वायरल हो रहे हैं.

में दिखाया जा रहा है कि इन चुस्की में सिर्फ केमिकल कलर मिलाए जा रहे हैं. पहले पानी में कलर घोला जाता है और फिर कलर डालकर इसे तैयार किया जा रहा है. एक मिल्क चुस्की वाले वीडियो में दिख रहा है कि पहले दूध को गर्म किया जा रहा है और फिर एक खास तरह के कलर से एक घोल तैयार किया जा रहा है. इसके बाद पानी से साथ उसमें वो कलर मिलाया जा रहा है और उन्हें पैक कर दिया जा रहा है. वहीं, एक वीडियो में दिख रहा है कि पानी में चीनी डालकर गर्म किया जा रहा है और फिर उसमें कलर मिलाकर अलग बाल्टियों में भरा जा रहा है. इसके बाद उन्हें छोटी प्लास्टिक की थैलियों में भरा जा रहा है और मशीन के जरिए पैक किया जा रहा है.

नई किताब के दावों ने फ्रांस के राष्ट्रपति महल में मचाया हड़कंप

मैक्रों को थप्पड़ के पीछे 'एक्ट्रेस' का हाथ?

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को उनकी पत्नी ने पिछले साल थप्पड़ जड़ा था. उस घटना का वीडियो काफी वायरल हुआ है. अब उसी मामले से जुड़ा एक और पहलू सुर्खियों में है और सोशल मीडिया पर उसकी काफी चर्चा हो रही है.

फ्रांस के राष्ट्रपति को थप्पड़ लगाने वाला मामला फिर चर्चा में है. (Photo-Instagram)

पिछले साल एक विदेश यात्रा के दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को उनकी पत्नी ने थप्पड़ मारा था. इस घटना का वीडियो खूब वायरल हुआ था. काफी दिनों तक सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा होती रही थी. एक बार फिर से यह घटना सुर्खियों में है. इस बार इस घटना की चर्चा, इसके संभावित वजह के कारण हो रही है. एक पत्रकार ने दावा किया है कि इमैनुएल मैक्रों को उनकी पत्नी ब्रिगेट मैक्रों ने एक ईरानी एक्ट्रेस की वजह से थप्पड़ जड़ा था. सोशल मीडिया पर ऐसे कई पोस्ट भी वायरल हो रहे हैं, जिनमें मैक्रों को थप्पड़ जड़ने की वजह पर चर्चा हो रही है. वहीं न्यूयॉर्क पोस्ट के रिपोर्ट के हवाले से भी बताया गया है कि एक नई किताब में किए गए सनसनीखेज दावों के अनुसार, पिछले साल विदेश यात्रा के दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को उनकी पत्नी ने थप्पड़ मारा था, क्योंकि उन्हें उनके फोन पर एक युवा अभिनेत्री का आपत्तिजनक संदेश मिला था. पत्रकार फ्लोरियन टार्डिफ ने आरटीएल फ्रांस के साथ एक इंटरव्यू में दावा किया है कि ब्रिगेट मैक्रोन का अपने पति को थप्पड़ जड़ने का जो वीडियो वायरल हुआ था, उस घटना के पीछे की वजह ईरानी मूल की गोल्शिफ्तेह फराहानी नाम की 42 साल की एक्ट्रेस को उनके पति की तरफ से भेजा गया मैसेज है.

अचानक जंगल में क्यों नाचने लगे हिरण?

इंटरनेट पर अक्सर ऐसी वीडियो सामने आते हैं, जो खबरों की सुर्खियां बन जाते हैं. इन दिनों सोशल मीडिया पर हर जगह एक वीडियो छाया हुआ है, जिसमें एक हिरण अजीब हरकत करता दिख रहा है. वह एक ही जगह पर गोल-गोल घूमता और नाचता दिख रहा है. किसी ने हिरण की इस हरकत को कैद कर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया. एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, यह वीडियो फ्रांस के ग्रामीण इलाके का बताया जा रहा है.

ट्रेलर लॉन्च में छलके डेविड धवन के आंसू बेटे वरुण को लेकर कही दिल छू लेने वाली बात

आज शनिवार को वरुण धवन की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का मुंबई में ट्रेलर लॉन्च किया गया। इस खास मौके पर वरुण धवन के पिता और इस फिल्म के डायरेक्टर डेविड धवन भी मौजूद रहे। अपने करियर में दर्जनों फिल्में डायरेक्ट कर चुके डेविड अपने बेटे की फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर भावुक हो गए और उनकी आंखें छलक पड़ीं। इसका वीडियो भी सामने आया है और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मौके पर यहां फिल्म की दोनों हीरोइन मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी मौजूद रहीं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट से डेविड धवन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें उन्हें फूट-फूटकर रोते हुए दिखाया गया है। यह भावुक क्षण वरुण धवन की वजह से हुआ। डेविड ने कहा, 'एक अभिनेता के रूप में वरुण लगातार बेहतर होते रहेंगे, वह आपकी इच्छा के अनुसार कोई भी भूमिका बखूबी निभाएंगे। लेकिन एक बेटे के रूप में वह वाकई असाधारण हैं।' जब मैं बीमार था, तब वो अस्पताल में हर पल मेरे साथ थे।' डेविड ने आगे बताया कि वरुण उनकी कितनी परवाह करते हैं, यह जानकर निर्देशक की आंखों में आंसू आ गए। अपने पिता को रोते देख वरुण धवन भी भावुक हो गए। है जवानी तो इश्क होना है फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वरुण धवन के अलावा, इस फिल्म में मृणाल ठाकुर, पूजा हेगड़े, मौनी रॉय, जिमी शेरगिल, मनीष पॉल, चंकी पांडे, राकेश बेदी और अली असगर जैसे दिग्गज एक्टर रंग जमाते नजर आने वाले हैं। फिल्म को वरुण के पिता डेविड धवन ने ही डायरेक्ट किया है। बता दें कि डेविड धवन और उनके बेटे वरुण पहली बार साथ काम नहीं कर रहे हैं। इससे पहले दोनों हिट फिल्म भी दे चुके हैं। इस फिल्म का नाम था मैं तेरा हीरो और ये फिल्म साल 2014 में रिलीज हुई थी। ये फिल्म कमाई के मामले में हिट रही थी और सिनेमाघरों के बाद छोटे पर्दे पर भी काफी पसंद की गई थी। इसके बाद वरुण ने अपने पिता के डायरेक्शन में जुड़वा 2, कुली नंबर 1 में भी काम किया है। अब दोनों एक बार फिर साथ काम कर रहे हैं। अब 5 जून को देखने को मिलेगा कि ये जोड़ी एक बार फिर क्या कमाल दिखा पाती

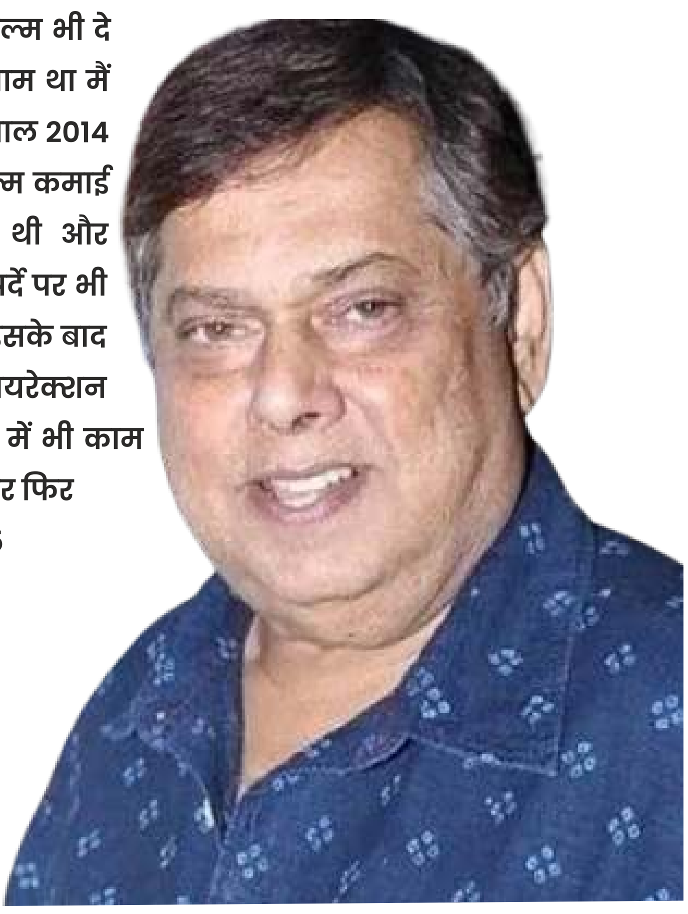

लखनऊ में राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन

सवर्ण मोर्चा ने कांग्रेस दफ्तर घेरने की कोशिश की

लखनऊ में सवर्ण मोर्चा ने राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन किया। होर्डिंग फाड़ने और जान से मारने की धमकियों का आरोप कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लगाया गया। हजरतगंज में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोका, जबकि नेताओं ने सख्त कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की।

लखनऊ में सवर्ण मोर्चा से जुड़े लोगों ने शनिवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को अपशब्द कहे। उसके बाद हमने लखनऊ में हमने उनके खिलाफ होर्डिंग लगाया। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उस होर्डिंग को फाड़ दिया और अब सोशल मीडिया पर हमें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। सवर्ण मोर्चा से जुड़े लोग राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कांग्रेस दफ्तर घेरने जा रहे थे। तभी पुलिस ने हजरतगंज के पास उन्हें रोक लिया। यहां पर प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से बहस की। उनका कहना था कि राहुल गांधी की तुगलकी सेना की तरफ से लगातार जान से मारने की धमकी दी जा रही है। ऐसे लोगों पर ऐसी कार्रवाई हो कि लखनऊ में दिखाई न दें। प्रदर्शन कर रहे विशाल कुमार सिंह ने कहा कि हमने 'राहुल गांधी हुए बेनकाब' का होर्डिंग लगवाया था, जिसके बाद कांग्रेसी बौखला गए। उस होर्डिंग में राहुल गांधी से कुछ सवाल किए थे जिसके बाद कांग्रेसी भड़क गए। अब उनकी तुगलकी सेना की तरफ से लगातार जान से मारने की धमकी दी जा रही है। हमारा सवाल यह था कि अगर देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को गद्दार कहा गया है तो क्या वह जनता भी गद्दार है जिसने उनका चुनाव किया है? प्रदर्शन कर रहे सवर्ण मोर्चा के उपाध्यक्ष बसंत सिंह बघेल ने कहा- अगर हमारे किसी साथी को हाथ लगा दिया तो हम उसको मुंहतोड़ जवाब देंगे। कांग्रेस के गुंडों ने हमारे संगठन के सदस्य को जान से मारने की धमकी दी है। उनके कार्यालय पर हम जाकर उन्हें जवाब देना चाहते थे। हम उनको बताना चाहते हैं कि अगर किसी भी क्षत्रिय को कुछ कहा तो हम उन्हें मिट्टी में गाड़ देंगे। अगर उनके ऊपर कारवाई नहीं हुई तो हम जहां कांग्रेसियों को पाएंगे, वहीं निपटेंगे। पुलिस कुछ करना नहीं चाहती। कितने लोगों ने अपनी जान की रक्षा की मांग की मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई। हम लोग आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। प्रदर्शन कर रहे मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक संदीप सिंह ने कहा- राहुल गांधी ने देश के प्रधानमंत्री को गद्दार कहा यह शर्मनाक है। यह अपमान प्रधानमंत्री का नहीं है बल्कि देश की जनता का है जिसने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में चुना। इस बयान के बाद सवर्ण मोर्चा के सदस्यों ने 'बेनकाब राहुल गांधी' नाम से शहर में होर्डिंग लगवाए थे। उन होर्डिंग को फाड़ दिया गया। उसके बाद धमकी दी जाने लगी कि तुमको जिंदा जला देंगे। अब अगर कोई ऐसा धमकी भरा फोन आया तो लखनऊ में एक भी कांग्रेसी नहीं बचेगा।

फैजुल्लागंज में बिजली संकट पर लोगों ने किया प्रदर्शन

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में फैजुल्लागंज इलाके में लगातार गहराते बिजली संकट को लेकर शनिवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोगों ने गौरभीठ रोड पर प्रदर्शन कर विधायक और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने "बिजली-पानी दे न सके जो सरकार निकम्मी है" और "जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है" जैसे नारे लगाए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिछले एक सप्ताह से इलाके में बिजली आपूर्ति पूरी तरह चरमराई हुई है। हालत यह है कि लोगों को पानी भरने तक के लिए पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है। कई परिवारों को शौच आदि के लिए बोतलबंद पानी खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहीं सामाजिक कार्यकर्ता ममता त्रिपाठी ने कहा कि भीषण गर्मी में हजारों लोग बिजली संकट से त्रस्त हैं, लेकिन क्षेत्रीय विधायक केवल पत्राचार कर औपचारिकता निभा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो नागरिक ऊर्जा मंत्री का पुतला फूंककर विरोध दर्ज कराएंगे। प्रदर्शन में गुड़िया सिंह, तारा श्रीवास्तव, प्रियंका बाजपेई, सोनी सिंह, अभिषेक मिश्र, अनूप सिंह, कमल, महेंद्र, सतीश शर्मा, राखी समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

लखनऊ में बनेगा नया विधानभवन कॉम्प्लेक्स, सहारा शहर की जमीन पर तैयारी शुरू

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित सहारा शहर की 245 एकड़ जमीन पर नया विधानभवन कॉम्प्लेक्स बनेगा. लखनऊ विकास प्राधिकरण ने इसके लिए टेंडर जारी कर दिया है. लखनऊ विकास प्राधिकरण ने डिजाइन और प्लानिंग के लिए कंसल्टेंट व आर्किटेक्ट चयन का टेंडर जारी किया है. एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार के मुताबिक, इच्छुक कंपनियां 23 मई से 21 जून तक टेंडर के लिए आवेदन कर सकेंगी. कुल 245 एकड़ प्रस्तावित जमीन में से 170 एकड़ नगर निगम की और 75 एकड़ एलडीए के स्वामित्व की है. यह वही जमीन है जिसे नगर निगम ने 1994 में सहारा इंडिया को 30 साल की लीज पर दिया था, जो पिछले साल खत्म हो गई. लीज की शर्तों के उल्लंघन और अवधि पूरी होने के बाद नगर निगम व एलडीए ने जमीन वापस अपने कब्जे में ले ली थी. कंसल्टेंट का चयन होने के बाद प्रोजेक्ट की विस्तृत कार्य योजना और कुल निर्माण लागत तय की जाएगी बता दें कि योगी सरकार ने नए विधानसभा भवन के लिए बजट 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है. नया कॉम्प्लेक्स भविष्य में परिसीमन के बाद बढ़ने वाली विधायकों की संख्या को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा. परिसर में विधानसभा के अलावा विधान परिषद, मंत्रियों के चैंबर, आधुनिक सुविधाएं, पार्किंग, ग्रीन एरिया और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर भी विकसित किए जाने की योजना है. बता दें कि योगी सरकार ने नए विधानसभा भवन के लिए बजट 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है.

नया कॉम्प्लेक्स भविष्य में परिसीमन के बाद बढ़ने वाली विधायकों की संख्या को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा. परिसर में विधानसभा के अलावा विधान परिषद, मंत्रियों के चैंबर, आधुनिक सुविधाएं, पार्किंग, ग्रीन एरिया और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर भी विकसित किए जाने की योजना है.

एकेटीयू पेपर लीक साइबर सेल ने जांच शुरू कर दी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के बीटेक छठें सेमेस्टर के पेपर वायरल होने मामले में नोएडा स्थित कॉलेज की शिकायत पर साइबर सेल ने जांच शुरू कर दी है। वहीं विश्वविद्यालय की ओर से गठित कमेटी ने भी अपनी रिपोर्ट दे दी है। इसके आधार पर विश्वविद्यालय जल्द कार्यवाही करेगा। विश्वविद्यालय पेपर निरस्त कर कड़ी कार्यवाही की तैयारी में है।दरअसल, गाजियाबाद स्थित परीक्षा केंद्र पर नकल के लिए लाई गई सामग्री के साथ पकड़े गए छात्र से यह जानकारी मिली थी कि पेपर लगभग 1.35 बजे ही वाट्सअप ग्रुप व टेलीग्राम चैनल के माध्यम से वायरल हो गया था। जब विश्वविद्यालय ने इसकी जांच की तो पता चला कि पेपर को बाहर भेजने में नोएडा स्थित केंद्र की भूमिका संदिग्ध है। क्योंकि पेपर पर दर्ज आईपी एड्रेस नोएडा स्थित एक कॉलेज के केंद्र का था। इसके आधार पर विश्वविद्यालय ने तुरंत वहां का कंप्यूटर व सीसीटीवी फुटेज सील कर दिया था। दूसरी तरफ नोएडा स्थित कॉलेज ने परीक्षा कार्य से जुड़े कंट्रोल रूम के अपने सभी कर्मचारियों को बुलाकर उनके फोन आदि की भी जांच की है। इसके आधार पर उसने विश्वविद्यालय को अपनी रिपोर्ट भी दे दी है। साथ ही कॉलेज की तरफ से साइबर सेल में इसकी शिकायत की गई है। कॉलेज की शिकायत पर साइबर सेल ने अपनी जांच भी शुरू कर दी है। इसमें स्थानीय पुलिस की भी मदद ली जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि साइबर सेल की जांच के आधार पर गड़बड़ी करने वाले के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई जाएगी और दोबारा ऐसा न हो, इसके लिए आवश्यक प्रयास भी किए जाएंगे। वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन भी अपने स्तर से इस पर कड़ी कार्यवाही करते हुए छात्रहित में निर्णय लेगा। कॉलेज की शिकायत पर साइबर सेल ने मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय पुलिस का भी सहयोग लिया जा रहा है। इससे पता चलेगा कि मोबाइल में पेपर कहां से वायरल किया गया। विश्वविद्यालय की जांच कमेटी ने रिपोर्ट दी है। उससे कुछ बिंदुओं पर और जानकारी मांगी गई है। जल्द ही इस मामले में हम कड़ी कार्यवाही करेंगे। छात्रों का हित नहीं प्रभावित होगा।- प्रो. दीपक नगरिया, परीक्षा नियंत्रक, एकेटीयू

लखनऊ में छात्रा से दुष्कर्म मामला, अस्पताल सील, डॉक्टर जेल भेजा गया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में 12वीं की छात्रा से रेप के आरोपी डॉक्टर को जेल भेज दिया गया है। पीड़िता के मुताबिक, डॉक्टर ने उसके साथ ऑपरेशन थियेटर में रेप की वारदात की। मामले में डिप्टी सीएम के दखल के बाद स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने प्राइवेट हॉस्पिटल को सील कर दिया है। डॉक्टर की डिग्री और लाइसेंस भी कैंसिल किया गया है। घटना बक्शी का तालाब के इंदौराबाग स्थित तेजस हॉस्पिटल की है। पीड़िता के पिता के मुताबिक, उनकी बेटी को मिर्गी के दौरे पड़ते थे। उसे इलाज के लिए 19 मई को तेजस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। 21 मई को हॉस्पिटल में दोपहर करीब 3 बजे बेटी को अचानक सांस लेने में दिक्कत हुई। ऑक्सीजन लगाने के बहाने डॉ. विजय गिरी बेटी को ऑपरेशन थिएटर में ले गया। उसके साथ बड़ी बेटी और एक नर्स भी गई थी। लेकिन कुछ ही देर बाद डॉ. विजय गिरी ने नर्स और बड़ी बेटी को बाहर भेज दिया। पिता ने पुलिस को बताया कि डॉ. विजय गिरी ने बेटी की कलाई में लगे वीगो से उसे बेहोशी का इंजेक्शन दिया। इसके बाद बेटी को कुछ होश नहीं रहा। कुछ देर बाद जब होश आया तो वह ऑपरेशन थिएटर से भागते हुए बाहर आई। उसने रोते हुए हम लोगों को बताया कि डॉक्टर ने उसके साथ रेप किया है। इसके बाद हम लोगों ने घटना की शिकायत पुलिस से की। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में कहा- डॉक्टर ने इलाज के बहाने पहले गंदी नीयत से शरीर पर हाथ लगाया। ओटी में मेरे साथ गई बहन को बाहर कर दिया। फिर बेहोशी का इंजेक्शन देने के बाद दुष्कर्म किया।

लखनऊ में बिजली संकट से हाहाकार कई इलाकों में तीसरे दिन भी बिजली गुल

लखनऊ के कई इलाकों में बिजली के लिए हाहाकार की स्थिति है। जमकर बिजली कटौती हो रही है। इस दौरान लोगों का गुस्सा भी अधिकारियों पर फूट रहा है। लोग कहीं सड़कों पर उतर रहे हैं तो कहीं पर विभागीय अधिकारियों को ही बंधक बना ले रहे हैं। 20 मई की रात साउथ सिटी से बिजली आपूर्ति व्यवस्था चरमराई जो पारा, सआदतगंज की तरफ बढ़ गई। इन इलाकों में लगातार तीसरे दिन भी बिजली नहीं आई। सरोजनी नगर, राजाजीपुरम से लेकर चिनहट तक के कई पावर हाउस से ट्रिपिंग और लंबी कटौती जारी है। लगातार तीसरे दिन बिजली न आने पर पारा इलाके के लोगों ने 22 मई को कई घंटे तक बुद्धेश्वर चौराहे पर जमकर बवाल किया। बताया जा रहा है कि इस दौरान विभाग के जेई की गाड़ी के टायर पंक्चर कर दिए गए। जेई को 22 की दोपहर 3 बजे जेई को सड़क पर रोककर

बंधक बना लिया। लोगों ने उनको वहां से निकलने नहीं दिया। उनका कहना था कि बिजली आने पर ही किसी अधिकारी को गुजरने दिया जाएगा। बता दें कि बुधवार को उतरठिया के पास ऐसे ही हंगामे के बाद 150 लोगों पर FIR दर्ज हुई थी। इन बवालों के बीच पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कटौती को 'महा विद्युत आपदा' कहा है। पारा में शनिवार सुबह फिर सप्लाई बाधित होने से लोगों में भारी नाराजगी है। लगातार तीसरे दिन भी हालात सामान्य नहीं हो सके हैं, जबकि विभाग केवल आश्वासन दे रहा है।

उन्नाव में डीएम घनश्याम मीना ने बैंक अधिकारियों को लगाई फटकार

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैंक परामर्श एवं समीक्षा समिति (डीसीसी/डीएलआरसी) की बैठक हुई। इस दौरान विभिन्न बैंकों की प्रगति, सीडी रेशियो, एनपीए और स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा की गई। खराब प्रगति पर जिलाधिकारी ने बैंक अधिकारियों को फटकार लगाई। बैठक में जिलाधिकारी ने पंजाब नेशनल बैंक और इंडियन बैंक के खराब सीडी रेशियो पर विशेष नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने दोनों बैंकों के मैनेजरों से स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश लीड बैंक मैनेजर को दिए। इसके अतिरिक्त, बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब एंड सिंध बैंक की कमजोर प्रगति पर भी असंतोष जताया गया। सुधार न होने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। जिलाधिकारी ने कहा कि बैंकों की वर्तमान प्रगति किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सभी बैंकों को आरबीआई की गाइडलाइन के अनुसार कार्य करने और निर्धारित मानकों के अनुसार वृद्धि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि खराब प्रदर्शन करने वाले बैंकों के रीजनल मैनेजर और एमडी को पत्र भेजा जाए। साथ ही, प्रत्येक माह तुलनात्मक रिपोर्ट तैयार कर सुधार की जानकारी दी जाए। बैठक में प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री युवा योजना, प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स योजना, मुद्रा योजना, ओडीओपी, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, किसान क्रेडिट कार्ड और एमएसएमई योजनाओं की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने विभिन्न बैंकों से इन योजनाओं के तहत प्राप्त, स्वीकृत और निरस्त किए गए आवेदनों की अलग-अलग जानकारी मांगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों के आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित न रखे जाएं और प्रत्येक आवेदन का दस दिन के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने जोर दिया कि प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स योजना और मुख्यमंत्री युवा योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं, जो गरीबों और युवाओं के रोजगार से जुड़ी हैं, इसलिए इनमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बैठक में लीड बैंक मैनेजर, जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और जनपद के बैंकर्स उपस्थित रहे।

उन्नाव में भाई-बहन पर दबंगों का हमला

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के माखी थाना क्षेत्र के बिजयी खेड़ा रूपऊ गांव में मामूली विवाद के बाद भाई-बहन की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। पीड़ितों का आरोप है कि दबंगों ने लाठी-डंडों, लोहे की रॉड और कुल्हाड़ी से हमला कर उन्हें अधमरा कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घायल युवती मालविका ने बताया कि उनकी भैंस आरोपियों के दरवाजे पर चली गई थी। जब वह उसे पकड़ने गईं, तो आरोपी गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उन्हें पकड़कर घसीटा और अभद्रता की। मालविका के अनुसार, जब उनका भाई रोहित बचाने पहुंचा, तो उसे भी बेरहमी से पीटा गया। मालविका ने आरोप लगाया कि रामशंकर, नागेंद्र और संकल्प नाम के लोगों ने उन पर हमला किया। दोनों भाई-बहन के हाथों में गंभीर फ्रैक्चर आए हैं। डॉक्टरों ने बताया है कि ऑपरेशन के बिना ठीक होना संभव नहीं है। उन्होंने कैमरे पर अपने एक्स-रे भी दिखाए। घायल रोहित ने बताया कि बहन को बचाने के दौरान उन पर हमला किया गया। उनके दोनों हाथों में कई जगह फ्रैक्चर हैं और शरीर पर भी गंभीर चोटें आई हैं। रोहित का आरोप है कि दबंगों के डर से वे पिछले तीन दिनों से अपने घर नहीं जा पा रहे हैं और रिश्तेदारों के यहां छिपकर रहने को मजबूर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपी उनके घर पर कब्जा किए हुए हैं और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

दिनदहाड़े हुई सर्राफा लूट का पुलिस ने किया पर्दाफाश

उन्नाव में दिनदहाड़े हुई सर्राफा दुकान लूट का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से संतुष्ट स्वर्ण व्यापारियों ने शनिवार को पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया। यह घटना सदर कोतवाली क्षेत्र के भवानीखेड़ा गांव में स्थित जय कृष्णा सर्राफा दुकान में बुधवार दोपहर को हुई थी। शहर के प्रियदर्शिनी नगर निवासी सुशील कुमार वर्मा इस दुकान के मालिक हैं। बाइक सवार चार बदमाश ग्राहक बनकर दुकान में घुसे और दुकानदार सुशील कुमार वर्मा के साथ मारपीट कर तमंचे के बल पर नगदी और चांदी के जेवरात लूट लिए। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए थे। दिनदहाड़े हुई इस लूट से बाजार में हड़कंप मच गया था और व्यापारियों में भय का माहौल बन गया था। घटना की सूचना मिलते ही सदर कोतवाली पुलिस और उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह के निर्देश पर मामले की जांच के लिए कई टीमें गठित की गईं। सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने 48 घंटे के भीतर इस वारदात का खुलासा कर दिया। पुलिस ने अमृतसर, पंजाब के तीन बदमाशों और उन्नाव के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से लूटा गया माल और घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार भी बरामद किए गए हैं। पुलिस की इस सफलता के बाद शनिवार सुबह स्वर्ण व्यापारी संगठन के पदाधिकारी पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। संगठन के अध्यक्ष सुरेंद्र वर्मा के नेतृत्व में व्यापारियों ने पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश सिंह और क्षेत्राधिकारी नगर दीपक यादव को माल्यार्पण कर सम्मानित किया। व्यापारियों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। इस अवसर पर व्यापारियों ने बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। पुलिस अधीक्षक ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि जिले में अपराधियों के खिलाफ सख्त अभियान जारी रहेगा और व्यापारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्वर्ण व्यापारी और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

उन्नाव में अधिवक्ताओं ने एसपी कार्यालय का घेराव किया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में अधिवक्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए एसपी कार्यालय का घेराव किया। एसपी के अनुपस्थित रहने पर अधिवक्ताओं ने क्षेत्राधिकारी नगर दीपक कुमार से मुलाकात की। उन्होंने विवेचक पर पक्षपातपूर्ण और लापरवाही से जांच करने का आरोप लगाते हुए विवेचना को दूसरे अधिकारी को स्थानांतरित करने की मांग की। यह मामला कचहरी परिसर में अधिवक्ताओं के लिए निर्मित राजा राव राम बक्श सिंह भवन, चाणक्य भवन और परशुराम भवन के निर्माण में कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है। इन भवनों के निर्माण में धांधली के आरोप में पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष सतीश शुक्ला और पूर्व महामंत्री अरविंद कुमार दीक्षित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। वर्तमान बार कार्यकारिणी ने मुकदमा अपराध संख्या 1052/2025 के तहत दोनों पूर्व पदाधिकारियों पर लगभग 56.22 लाख रुपये के गबन का आरोप लगाया है। हालांकि, आरोपित पूर्व पदाधिकारियों और उनके समर्थक अधिवक्ताओं ने इस मुकदमे को फर्जी और दुर्भावनापूर्ण बताया है। अधिवक्ताओं का आरोप है कि विवेचक निष्पक्ष जांच करने में विफल रहे हैं और पर्याप्त साक्ष्य के बिना आरोप पत्र दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विवेचक ने मौजूदा महामंत्री के भाई अनुराग बाजपेई से कथित रिश्वत लेकर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई की है। अधिवक्ताओं ने यह भी बताया कि चैंबर आवंटियों और अन्य संबंधित पक्षों के बयान अभी तक दर्ज नहीं किए गए हैं। उनके अनुसार, एकतरफा कार्रवाई कर आरोप पत्र दाखिल करना न्याय प्रक्रिया का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि पहले भवनों की गुणवत्ता और निर्माण कार्य की जांच शासकीय अभियंताओं से कराने की बात कही गई थी, लेकिन अब केवल मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जा रही है, जिसे वे न्याय के साथ खिलवाड़ मानते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने सीओ से मांग की कि मामले की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए विवेचना किसी अन्य अधिकारी या एजेंसी को सौंपी जाए। इस पर क्षेत्राधिकारी दीपक कुमार ने अधिवक्ताओं को आश्वासन दिया कि विवेचक पर लगाए गए आरोपों की जांच की जाएगी और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बाइक की टक्कर से 10वीं के छात्र की मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के पुरवा कोतवाली क्षेत्र स्थित पहाड़पुर गांव में गुरुवार रात सड़क हादसे में कक्षा 10 के छात्र की मौत हो गई। तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से गंभीर रूप से घायल छात्र को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान पहाड़पुर निवासी रितिल (14) पुत्र राम भजन के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक रितिल कक्षा 10 का छात्र था और पढ़ाई में होनहार माना जाता था। बताया गया कि गुरुवार रात वह मोहल्ले के एक युवक के साथ बाइक पर बैठकर कुछ सामान लेने घर से निकला था। इसी दौरान रास्ते में तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि रितिल गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायल छात्र को उठाकर जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। छात्र की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। देर रात तक ग्रामीण और रिश्तेदार परिवार को ढांढस बंधाने पहुंचते रहे। ग्रामीणों ने बताया कि रितिल शांत स्वभाव का था। वह पढ़ाई के साथ परिवार का भी ख्याल रखता था। उसकी असमय मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

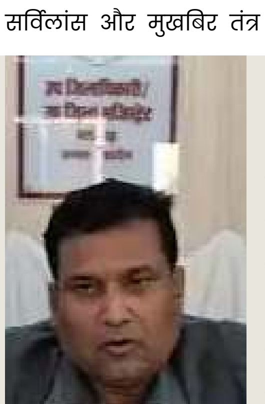

उन्नाव के सिटी मजिस्ट्रेट राजीव का तबादला मनोज सिंह बने उन्नाव के नए सिटी मजिस्ट्रेट

उन्नाव के सिटी मजिस्ट्रेट राजीव का शुक्रवार शाम शासन स्तर से तबादला कर दिया गया है। उनके स्थान पर जालौन में तैनात एसडीएम मनोज सिंह को उन्नाव का नया सिटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। राजीव 31 जनवरी 2024 से उन्नाव में सिटी मजिस्ट्रेट के पद पर कार्यरत थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कानून व्यवस्था, जनसुनवाई और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। उनके कार्यकाल में सुलतानपुर डकैती कांड के दौरान पुलिस मुठभेड़ में मारे गए आरोपी अनुज प्रताप सिंह मामले की जांच उन्हें सौंपी गई थी। उन्होंने निर्धारित समय सीमा के भीतर 15 दिनों में जांच पूरी कर रिपोर्ट शासन को सौंप दी थी। जांच रिपोर्ट में घटना को सही और परिस्थितियों के अनुरूप बताया गया था। इस मामले की जांच प्रक्रिया को प्रशासनिक स्तर पर महत्वपूर्ण माना गया था। उन्नाव में विभिन्न आयोजनों, त्योहारों और संवेदनशील मौकों पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में भी उनकी अहम भूमिका रही। वे स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थितियों का जायजा लेते थे। जालौन में एसडीएम पद पर तैनात मनोज सिंह अब उन्नाव के नए सिटी मजिस्ट्रेट होंगे। उम्मीद है कि वह जल्द ही कार्यभार ग्रहण करेंगे।

योगी सरकार का बड़ा फैसला, प्रधान चुनाव तक गांव संभालेंगे प्रशासक

उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव 2026 टलने के आसार हैं। योगी सरकार ग्राम प्रधानों का कार्यकाल खत्म होने के बाद 57,694 प्रधानों को प्रशासक नियुक्त कर सकती है। ओबीसी आरक्षण रिपोर्ट के बाद पंचायत चुनाव संभवतः 2027 विधानसभा चुनाव के बाद होंगे।

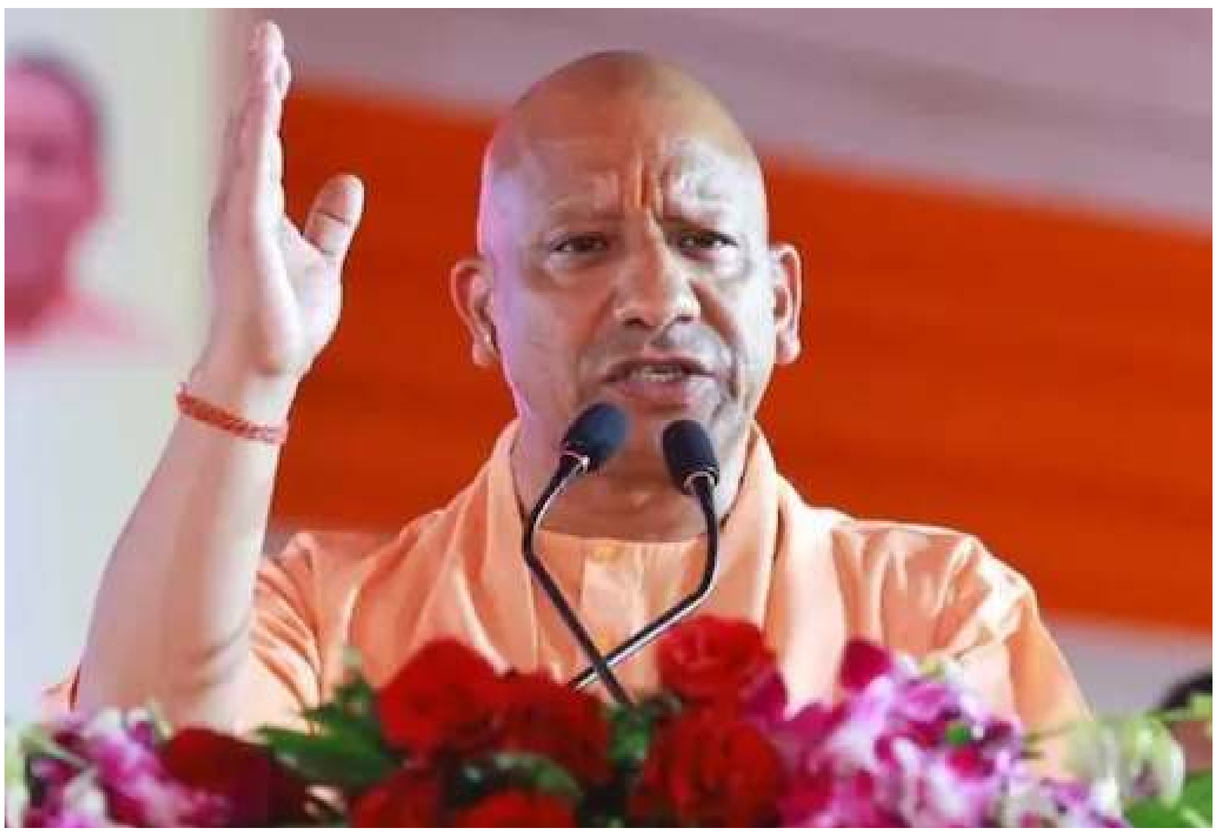

उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव 2026 टलना तय माना जा रहा है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने पंचायत चुनाव में देरी को देखते हुए प्रदेश में पहली बार प्रशासकों की नियुक्ति का निर्णय लिया है। प्रधान चुनाव तक ये प्रशासक अपने पद पर प्रभावी रहेंगे। प्रदेश के सभी ग्राम सभा में प्रशंसकों की नियुक्ति होगी। सरकार ने 26 मई सभी ग्राम सभाओं में प्रशंसकों की नियुक्ति का निर्णय लिया है। ये प्रशासन वर्तमान प्रधान ही हो सकते हैं। दरअसल, प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को खत्म हो जाएगा। प्रदेश में अब तक एडीओ पंचायत को प्रशासक बनाए जाते थे। अब सरकार ने एडीओ पंचायत की जगह अलग प्रशासक की नियुक्ति का निर्णय लिया। उनके पास ग्राम सभाओं के विकास की जिम्मेदारी होगी। प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को पूरा हो रहा है। ऐसे में प्रधानों के सभी अधिकार कार्यकाल समाप्त होते ही खत्म हो जाएंगे। हालांकि, योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रधानों को बड़ी सौगात देने की योजना बना रही है। प्रधानों को एक बड़ी सौगात देने की तैयारी है। प्रदेश में सभी 57,694 प्रधानों को पहली बार प्रशासक के तौर पर नियुक्त किया जा सकता है। पहले एडीओ पंचायत को प्रशासक बनाया जाता था। पंचायत चुनाव तक वे गांव के विकास की जिम्मेदारी संभालते थे। योगी आदित्यनाथ सरकार ने इस बार राष्ट्रीय पंचायत राज्य ग्राम प्रधान संघ की ओर से की गई मांग को मान लिया है। संघ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की गई थी कि एडीओ पंचायत की जगह ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक के तौर पर नियुक्त किया जाए। इससे आने वाले समय में गांवों के विकास को गति मिल सकेगी। सभी योजनाएं सुचारू से जारी रह सकेगी। मांग को देखते हुए विभाग की ओर से एक प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि 26 मई से पहले योगी सरकार सभी प्रधानों को ही प्रशासन के तौर पर नियुक्त कर सकती है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड की भारतीय जनता पार्टी की सराकर ने प्रधानों को ही प्रशासक के तौर पर नियुक्त किया गया था। यूपी सरकार भी इसी फॉर्मूले पर आगे बढ़ सकती है। पहली बार प्रदेश में भी सभी 57694 प्रधानों को प्रशासक के तौर पर नियुक्त किया जाएगा। यूपी में पंचायत चुनाव को लेकर सीटों के ओबीसी आरक्षण का निर्धारण करने के लिए ओबीसी आयोग का गठन किया गया है। ओबीसी आयोग 6 माह में सीटों का किस तरह से आरक्षण होगा, इसको लेकर अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। ओबीसी आयोग की रिपोर्ट आने के बाद सरकार पंचायत चुनाव के तैयारी को तेज करेगी। इसके आधार पर पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। ऐसे में माना जा रहा है कि यूपी विधानसभा चुनाव 2027 के बाद ही पंचायत चुनाव हो पाएंगे। इस प्रकार प्रधानों को ही प्रशासक के तौर पर पंचायतों की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

योगी के समय पर पहुंचने से घबराए डीएम, हेलीपैड तक लगाई दौड़

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में शुक्रवार को सीएम योगी आदित्यनाथ को रिसीव करने में लेट होने पर डीएम मधुसूदन हुल्गी ने ऐसी दौड़ लगाई कि लोग देखते रह गए। सीएम योगी का हेलीकॉप्टर जब कार्यक्रम स्थल पर उतरने लगा, उस समय डीएम हेलीपैड से काफी दूर थे। ऐसे में हेलीकॉप्टर लैंड करने से पहले वहां पहुंचने के लिए डीएम ने बहुत तेज दौड़ लगा दी। डीएम इतनी तेज दौड़े कि वहां मौजूद लोग अचरज में पड़ गए। डीएम के पीछे पीछे गनर और अर्दली भी दौड़ने लगे। डीएम के दौड़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसमें दिख रहा है कि वे सबसे आगे निकल गए। दरोगा और अर्दली पीछे हांफते देवरिया में शुक्रवार को सीएम योगी का कार्यक्रम आयोजित था। साढ़े 10 बजे मुख्यमंत्री को देवरिया कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना था। डीएम को शायद यह अंदाजा था कि अन्य नेताओं की तरह सीएम योगी भी देर से पहुंचेंगे। ऐसे में वह बेफिक्र होकर ट्रैफिक व्यवस्था का निरीक्षण कर रहे थे। हालांकि, तय समय पर मुख्यमंत्री देवरिया पहुंच गए। उनका हेलीकॉप्टर कार्यक्रम स्थल पर उतरने लगा। हेलीकॉप्टर उतरने की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी के हाथ पांव फूल गए। क्योंकि उस समय वह हेलीपैड से लगभग 200 मीटर दूर मुख्य सड़क पर थे।

मेरठ कचहरी में बवाल, वकीलों पर जानलेवा हमले का केस दर्ज

उत्तर प्रदेश के मेरठ कचहरी में अधिवक्ता के चैंबर पर मारपीट मामले में केस दर्ज किया गया है। घटना शुक्रवार की है। दरअसल, रेप के प्रयास में आरोपित की अग्रिम जमानत को दी गई रकम वापस मांगने आए पैरोकारों पर जनलेवा हमला कर अधमरा करने का मामला सामने आया था। इस मामले में पीड़ितों को बंधक बनाने और मुक्त कराने गई पुलिस के साथ अभद्रता करने के मामले में शनिवार को पुलिस ने 13 नामजद समेत 60 अज्ञात वकीलों पर गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की हैं। दरअसल, पीड़ित पक्ष के किसी व्यक्ति ने घटना का वीडियो बना लिया था। इसके आधार पर पुलिस ने हमलावर वकीलों की पहचान की है। पुलिस ने शनिवार को इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 की धारा 191(2) (बलवा और हिंसा करना), 115(2) (जानबूझकर मारपीट कर चोट पहुंचाना), 127(2) (गलत तरीके से बंधक बनाना), 352 (गाली-गलौज कर शांति भंग करने के लिए उकसाना), 351(3) (जान से मारने या गंभीर चोट पहुंचाने की धमकी देना) और धारा 109(1) (जान से मारने की नीयत से हत्या का प्रयास करना) जैसी धारा लगाई हैं। मेरठ जिले के सिखेड़ा गांव निवासी शेर खान ने एफआईआर में आरोप लगाया है कि वकील आमिर खान के चैंबर में बातचीत के दौरान फीस को लेकर फखरुद्दीन का अपने वकील से मतभेद हो गया। फखरुद्दीन वहां से चले गए, लेकिन उनके साथ आए शेरखान, साजिद, रियाज और फखरुद्दीन के रिश्तेदार चैंबर में ही रुके रहे। आरोप है कि कुछ देर बाद वकील आमिर खान ने अपने साथी वकीलों के साथ चारों को चैंबर में बंद कर लिया। एफआईआर के मुताबिक, वकील आमिर खान और उनके साथियों ने घेरकर जमीन पर गिराकर जान से मारने की नीयत से उसके सिर पर ईंटों से वार किए। लात-घूसों से हमला कर दिया।

आजम खान और अब्दुल्ला की सजा बढ़ी
रामपुर MP/MLA कोर्ट ने 3-3 साल और बढ़ाई सजा

सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को अब 10-10 साल की सजा काटनी होगी। शनिवार को रामपुर MP/MLA कोर्ट ने फर्जी पैन कार्ड मामले में दोनों की 7-7 साल की सजा को 3-3 साल और बढ़ा दिया। कोर्ट ने दोनों पर 5-5 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। 17 नवंबर, 2025 को इसी मामले में MP/MLA कोर्ट ने आजम और अब्दुल्ला को 7-7 साल की सजा सुनाई थी। 50-50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया था। तभी से दोनों रामपुर जेल में बंद हैं। इसी बीच 5 मई, 2026 को यूपी सरकार की ओर से एडीजीसी सीमा राणा ने सजा बढ़ाने के लिए कोर्ट में अपील दायर की थी। उनका तर्क था कि यह मामला केवल दस्तावेजी गड़बड़ी का नहीं, सरकारी पहचान पत्र के दुरुपयोग और फर्जीवाड़े से जुड़ा गंभीर अपराध है। इसलिए दोनों को उम्रकैद की सजा दी जाए। एक हफ्ते पहले ही रामपुर MP/MLA कोर्ट ने आजम खान को कलेक्टर-फलेक्टर तनखैया बयान पर 2 साल की सजा सुनाई थी। रामपुर से भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 2019 में अब्दुल्ला पर दो PAN कार्ड रखने के आरोप में सिविल लाइन थाने में केस दर्ज कराया था। पुलिस ने जांच के बाद आजम खान का नाम जोड़ा था।